समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 11 September 2026

भारत की Samudrayaan: मई 2026 मे 500 मीटर गहराई का पहला गोता तय

Publisher

Published on 20 Jan 2026

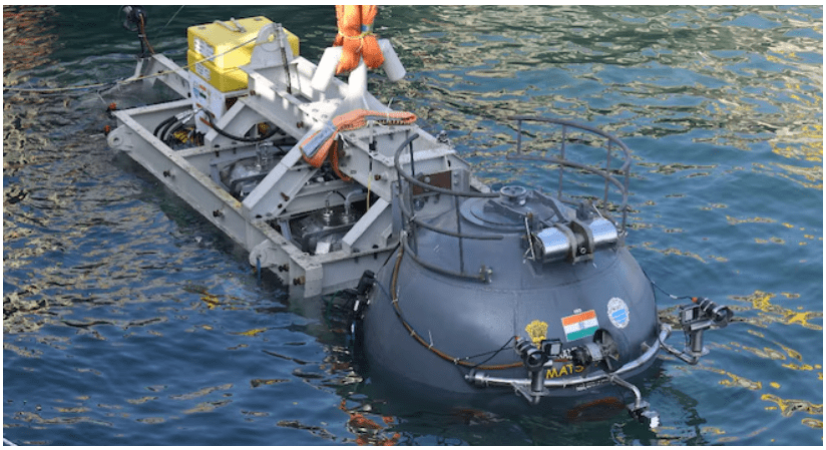

भारत की महत्वाकांक्षी **समुद्रयान (Samudrayaan)** गहरे समुद्र अन्वेषण परियोजना में तेजी आई है और **पहला परीक्षण गोता मई 2026** में लगभग **500 मीटर की गहराई** पर किया जाएगा। यह कदम भारत को [illegible] के क्षेत्र में दुनिया के चुनिंदा देशों की कतार में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस मिशन को **नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (NIOT), चेन्नई** द्वारा विकसित [illegible]*-6000 (Matsya-6000)* नामक मानव-युक्त सबमर्सिबल वाहन के माध्यम से अंजाम दिया जा रहा है। यह 25 टन वजन वाला वाहन **तीन व्यक्ति को 12 घंटे तक ऑपरेशनों** के लिए ले जा सकेगा और इमरजेंसी में 96 घंटे तक जीवित रहने की क्षमता रखता है।

NIOT के निदेशक **प्रो. बलाजी रामकृष्णन** ने बताया कि कुछ प्रारंभिक कम-गहराई परीक्षणों को छोड़कर सीधे **500 मीटर की गहराई पर गोता** लगाने की योजना पर काम तेज किया जा रहा है ताकि प्रणाली की वास्तविक-परिस्थिति में क्षमता, जीवन-समर्थ प्रणाली और नेविगेशन जैसे सिस्टमों का परीक्षण हो सके।

यह समुद्रयान मिशन भारत सरकार के **दीप ओशन मिशन (Deep Ocean Mission)** के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसकी कुल लागत लगभग ₹4,077 करोड़ है। इस मिशन का अंतिम लक्ष्य **6,000 मीटर तक मानव-युक्त गोता लगाना** है, जिससे वैज्ञानिक समुद्री जैव विविधता, गहन भौगोलिक मानचित्रण और संसाधन खोज जैसे महत्वपूर्ण कार्य कर सकेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार, समुद्रयान मिशन से [illegible] *(Blue Economy)* के क्षेत्रों में संभावनाएँ बढ़ेंगी जैसे कि सतत खनन, समुद्र-आधारित अनुसंधान और गहरी समुद्री पर्यटन जैसी गतिविधियाँ भी विकसित हो सकती हैं।

इस कदम के साथ भारत **अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और जापान** जैसे देशों के साथ [illegible] रखने वाले सीमित समूह में शामिल होने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.